

DPN 5944

Title : ग्रहया मन्त्र GRAHA YĀ MANTRA

Run. No. 6635

Cat. No.

Micro. No.

Subject मन्त्र Mantra

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. / New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 24.5 x 7.5 Folios 2 Lines (in a page) 5/9

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

फणीन्द्ररत्नवज्राचार्य

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Phaniendra Ratna Vajracarya

Script : New. / Dev. / Bhuji. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thiyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

लिप्याली : धुकी ग्रह ५५॥ हान्ति यायेतु

मन्त्र ३ ।

Remark : this ms codex contains
mantras to propitiate
evil planets.

मंत्र

रुक्मिण्यनन्तर वडाखार्य

ॐ महायोगे पंथ चारण ३ महायोगे श्री प्रकृष्टी फल स्वाहा ॥ ध्वमैव
 १ नमाल १०० जापयाये कोसपलद पुकायाव थवरबालदुद्धिदाया
 व ध्वमेव जपपाव स्वथा थाये जवरुसपन सोकपाये मेवननुये
 महुजल ॥ ॥ ॐ ईड जाल सुथामेव मरुमाहावरिदेवि ॐ चोर सकर
 व्याघ्र जाहं यो न नामि गुरु आज्ञा फल स्वाहा ॥ ध्वमेव धा ५ लोहो चा
 ग्वर ५ जपल पंपै गुरिग सनि नादो ये द्ध्वल थमने जो नानये थते
 ने भूतप्रेतया भये खुया धुया थते भये महु गने वने वेत्त सवासया
 येत थ्व ॥ पितृक सया वषधि तो १ लव तो १ पीपि तो ला १ क ये हलु
 थते चुराया नाव का कदा स्पन्वने का स क स ना श ॥ ॐ मने मस्वा

रुक्मिण्युजग वृद्धाचार्य

याग्नि ६ दध्यामरु ॥ ॐ मंगल मंगलाय स्वाहा ॥ १ ॥ ॐ पिंगल वेत्रिवात्रिदिप्रसीद रुद्र ॥ २ ॥ ॐ धन
 दधन स्वाहा ॥ ३ ॥ ॐ शिवमत्रिगताम्र अर्धेश्वरी प्रामय ॐ स्वाहा ॥ ४ ॥ ॐ लोहदिक मम तडं दहि पन त जादि नारा
 यनाय स्वाहा ॥ ५ ॥ ॐ क मम गंगनाय क मय स्वाहा ॥ ६ ॥ ॐ सिद्ध मम सर्वमानस साधय स्वाहा ॥ ७ ॥ ॐ सं
 कट मय त्रम नाशय ॥ ८ ॥ थूलि मंगलादि ॥ ॥ ॐ नमो गवति विकट वीरपालिक ॐ ॐ ॥ विकटया ॥
 थूलि मकु धाग्नी दध्यामरु ॥ लिपाया भूक त दध्यामरु महावललाक ॥ ॥ थनलि ग्रह्यामरु ॥

ॐ कौंकीं कौं स ४ स्वाहा ॥ आदिपूजा ॥ १ ॥ ॐ सुंमिंश्रौं स ४ स्वाहा ॥ शामया ॥ २ ॥ ॐ कौंकिं कौं स ४ स्वाहा ॥ मंग
लया ॥ ३ ॥ ॐ वांश्रौं स ४ स्वाहा ॥ वृधया ॥ ४ ॥ ॐ ह्रौं ह्रीं ह्रीं स ४ स्वाहा ॥ गुरु ॥ ५ ॥ ॐ ऊं ऊं ऊं स ४ स्वाहा ॥
गुरुया ॥ ६ ॥ ॐ श्रौं श्रौं श्रौं स ४ स्वाहा ॥ दानिधनया ॥ ७ ॥ ॐ श्रौं श्रौं श्रौं स ४ स्वाहा ॥ गुरुया ॥ ८ ॥ ॐ ह्रौं ह्रीं
ह्रीं स ४ स्वाहा ॥ कुरुया ॥ ९ ॥ ॐ कौं कौं कौं स ४ स्वाहा ॥ जमनकुरुया मरुध ॥ १० ॥ महाबली ॥